2019

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का विषय	विषय कोड			परीक्षा का माध्यम
राजनीति विज्ञान	1	3	0	हिन्दी

स्टीकर तीर के निशान ↓ चिपकाकर लगायें

1615761

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में: X 2 9 7 7 2 5 5 7 3

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH

एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छ	आठ

क :- पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में 02 शब्दों में दो

ख :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक 04

ग :- परीक्षा का दिनांक 26 03 19

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकेण्डरी सर्टि.परीक्षा
केन्द्र क्र. 771002

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर: Shiwari Smt. S. Tiwari

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई ... स्टीकर अतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मु... की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।
निर्धारित मुद्रा ... फाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के ...

उप ...

परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

महीप सिंह नेताम
शिक्षक
शा0उ0मा0वि0पंजरेह सिंगरौली
परीक्षक क्र0 1912145

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टि करें

प्रश्न क्रमांक	प्राप्तांक
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	
26	
27	

कुल प्राप्तांक अंकों में

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक एवं उप... परीक्षक द्वारा भरा जावे

② [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ | पृष्ठ 2 के अंक | कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्र॰1 → उत्तर

i) द) 1950

ii) स) बेलग्रेड

(iii) स) कारगिल युद्ध

iv) स) अनुच्छेद 7

v) अ) अशिक्षा

प्र॰2 → उत्तर

i) डॉ बी॰ आर॰ अम्बेडकर

ii) सन् 1953

iii) बांग्लादेश

iv) सुरक्षा परिषद

v) प्रतियोगिता

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ अंक = कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्र० 3 → उत्तर

i). संविधान के नीति-निर्देशक तत्व आयरलैण्ड से लिए गये।

ii) राज्य पुनर्गठन आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति फजल अली थे।

iii) आशियान का मुख्यालय जकार्ता (इण्डोनेशिया) मे है।

iv) चीन ने भारत मे सन् 1962 को आक्रमण किया

v) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में प्रतिबंधो को कम करना। ताकि देश का विकास हो सके

प्र० 4 → उत्तर

i) असत्य

i) सत्य

ii) सत्य

iv) सत्य

v) सत्य

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ क अंक = कुल अंक

प्रश्न क्र.

प्र०5 → उत्तर

अ	ब (उत्तर)
i) पंचशील का सिद्धांत	ब) 1954
ii) विश्व बैंक की स्थापना	अ) 1945
iii) सार्क का मुख्यालय	द) काठमाण्डू
iv) संयुक्त राष्ट्र का संविधान	इ) चार्टर
v) वैश्विक गाम्र का निर्माण	स) वैश्वीकरण।

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ अंक = कुल अंक

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

प्र॰ 6 → उत्तर

कश्मीर प्रकरण के संदर्भ में भारत द्वारा की गयी दो गलतियाँ निम्न लिखित हैं।–

(1) पं.नेहरु द्वारा कश्मीर में जनमत संग्रह की बात करना

(2) संयुक्त राष्ट्र में मुद्दे को अध्याय 7 अनु. 39 की जगह अध्याय 6 अनु. 35 में उठाना

प्र॰7 → उत्तर (अथवा)

संविधान द्वारा भारत के नागरिको को मौलिक अधिकार प्रदान किये गये हैं :–

(1) समता का अधिकार
(2) स्वतंत्रता का अधिकार
(3) धार्मिक स्वतंत्रता

प्र॰8 → उत्तर

सार्क (SAARC → South Asian Association of Regional Cooperat
सार्क के दो उद्देश्य निम्न लिखित हैं :–

(1) ~~क्षेत्रीय~~ आर्थिक संवृद्धि, सामाजिक प्रगति व सांस्कृति विकास को बढ़ावा देना।

(2) सामान्य उद्देश्य वाले अन्य क्षेत्रीय संगठनो व विकासशील देशो से सम्बन्ध बनाना।

6 | | + | | = | |

योग पूर्व पृष्ठ पृष्ठ 6 के अंक कुल अंक

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

प्र० 9 → उत्तर :

ताशकंद समझौता सन् 1966 मे भारत व पाकिस्तान के मध्य हुआ था। ताशकंद समझौते की दो शर्तें निम्नलि हैं:-

(1) दोनो देश एक दूसरे के विरुध्द विचार से नही करेगी।

(2) ~~क~~ दोनो देश शरणार्थी समस्या में बातचीत करेगे।

(3) दोनो देश आर्थिक व सामाजिक सम्बन्ध पुनः विकसित करेगे।

B
S
E

प्र० 10 → उत्तर

भारत विभाजन के दो कारण निम्नलि है :-

(1) ~~दो~~ ~~मुस्ल~~ मुस्लमानो की साम्प्रादायिक भावना

(2) ब्रिटिशो द्वारा साम्प्रादायिक भावना को बढावा दिया गया था।

(3) कांग्रेस की मुस्लिम लीग के प्रति तुष्टीकरण की नीति भी भारत विभाजन का प्रमुख कारक है।

7

योग पूर्व पृष्ठ + पृष्ठ 7 के अंक = कुल अंक

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

उत्तर - 11 अथवा

भारत का संविधान 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ था। भारत के संविधान को उधार का थैला इसलिए कहा जाता है क्योंकि संविधान में उल्लेखित कुछ उपबन्धो को दूसरे देशो के संविधान से लिया गया है। संवैधानिक सलाहकार बी.न.राऊ ने विश्व के अलग-अलग देशो में यात्रा कर वहाँ की राजनीतिक व्यवस्था का निरीक्षण किया था।

(1) अमेरीका का संविधान → प्रस्तावना मे उल्लेखित आदर्श व मौलिक अधिकार

(2) ब्रिटेन का संविधान - विधि का शासन, संसदीय प्रणाली, स्पीकर का पद, एकहारी नागरिकता

(3) आयरलैण्ड का संविधान - नीति-निर्देशक तत्व

(4) द. अफ्रीका का संविधा - संविधान संशोधन

~~उत्तर~~ - 12

उपर्युक्त देशो से विभिन्न उपबन्धो को लिया गया है। इस कारण भारत के संविधान ~~के~~ "~~कुछ~~ उधार का थैला" कहते है।

B S E

8 [ ] + [ ] = [ ]

योग पूर्व पृष्ठ · पृष्ठ 8 के अंक · कुल ७

प्रश्न क्र. प्र०12 > उत्तर

भारत का संविधान सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न, समाजवादी, लोकतांत्रिक व धर्मनिरपेक्ष है।

(1) सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न > सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न से आशय यह है कि भारत एक स्वतंत्र देश है। वह अपने आन्तरिक व बाहृय मामलो में निर्णय लेने हेतु ~~स्व~~ स्वतंत्र है।

(2) समाजवादी > भारत एक समाजवादी देश है। भारत का संविधान सरकार से यह ~~आश~~ आशा रखता है कि वो अपने नागरिको के मध्य समाजिक तुलना नहीं करेगी व ~~वि~~ आय ~~क~~ व पूँजी का संक्रेमण कुछ ही हाथो में नहीं होनी देगी।

(3) धर्मनिरपेक्ष > भारत ने धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है यह धर्म के आधार पर कोई विभेद नहीं किया जाएगा व लोगो को किसी भी धर्म को अपनाने व उसे मानने की पूरी आजादी है।

समाजवादी व धर्मनिरपेक्ष को 1972 में अपनाया गया है।

E

प्रश्न क्र.

प्र०13 → उत्तर (अथवा)

संयुक्त राष्ट्र के ~~अनुच्छेद~~ अनुच्छेद 2 मे आधारभूत सिद्धांत उल्लेखित हैं।

(1) संयुक्त राष्ट्र किसी भी देश के आन्तरिक मामले मे हस्तक्षेप नहीं करेगा।

(2) सदस्य राष्ट्र उन उत्तरदायित्वों का ईमानदारी से पालन करेगे जो उन्होने चार्टर के तहत ग्रहण किये हैं।

(3) संयुक्त राष्ट्र उन राष्ट्रो से भी शांति व सुरक्षा की आशा रखता है जो संयुक्त राष्ट्र के सदस्य नहीं हैं।

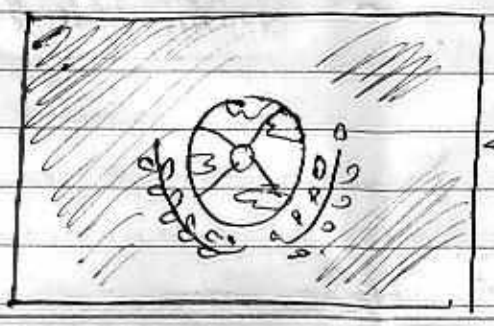

← UNO flag

प्र०14 उत्तर

निःशस्त्रीकरण का आशय शस्त्रो की दौड को समाप्त करना हैं।

निःशस्त्रीकरण के प्रकार नि०लि० हैः-

SECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

(1) सामान्य नि:शस्त्रीकरण → सामान्य नि:शस्त्रीकरण में सभी राष्ट्र या कम से कम बड़ी शक्तियाँ सहभागी होती हैं।

(2) समग्र नि: शस्त्रीकरण → समग्र नि: शस्त्रीकरण में सभी हथियारो को प्रतिबंधित किया जाता है।

(3) परम्परागत नि: शस्त्रीकरण → परम्परागत नि:शस्त्रीकरण में परम्परागत हथियारो के प्रयोग में प्रतिबंध लगाया जाता है।

(4) परमाणु नि: शस्त्रीकरण → परमाणु हथियारो पर रोक लगायी जाती है।

B
S
E

प्रश्न क्र.

प्र॰ 15 उत्तर (अथवा)

"देश का योजनाबद्ध विकास नियोजन है।"

डाल्टन के अनुसार - "व्यापक अर्थों में नियोजन संसाधनों के संरक्षण के द्वारा देश का योजनाबद्ध विकास है।"

भारत जैसे विकासशील देश में नियोजन अति महत्त्वपूर्ण है।

नियोजन के उद्देश्य

→ 1. संसाधनों का कुशलतम प्रयोग
→ 2. आय व रोजगार के अवसर में वृद्धि
→ 3. संतुलित क्षेत्रीय विकास
→ 4. आर्थिक असमानता को कम करना

1. संसाधनों का कुशलतम उपयोग ⇒ देश के विकास के लिए यह आवश्यक है कि देश के प्राकृतिक व मानवीय संसाधनों का कुशलतम उपयोग हो। नियोजन के द्वारा संसाधनों का कुशलतम उपयोग सम्भव है।

2. आय व रोजगार के अवसर में वृद्धि ⇒ देश के सभी नागरिकों के जीवन स्तर को उठाने के लिए व बेरोजगारी कम करने के लिए सरकार को

प्रश्न क्र.

आय व रोजगार के अवसरो मे वृद्धि करना चाहिए जो नियोजन के द्वारा ही सम्भव है।

3. संतुलित क्षेत्रीय विकास → देश का असंतुलित विकास क्षेत्रवाद, भूमिपुत्र जैसे सिद्धांतो को बल देता है अतः नियोजन के द्वारा सरकार संतुलित क्षेत्रीय विकास करती है।

4. आर्थिक असमानता को कम करना → देश मे पूंजी का संकेन्द्रण कुछ ही हाथो में नही होना चाहिए। अतः सरकार देश मे आर्थिक समानता लाने के लिए नियोजन करती है।

B S E

उपर्युक्त उद्देश्यो के लिए सरकार द्वारा योजना का निर्माण किया जाता है।

प्र० 16 उत्तर

क्षेत्रीय असंतुलन का आशय एक क्षेत्र का अधिक विकास व दूसरे क्षेत्र का उस क्षेत्र की तुलना मे कम विकास से है। क्षेत्रीय असन्तुलन लोकतंत्र के संचालन मे एक बड़ी बाधा है। अतः देश का संतुलित विकास अति आवश्यक है। भारत मे पंजाब, हरियाणा राज्य अधिक विकसित है जबकि मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ कम विकसित राज्य है।

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

क्षेत्रीय असन्तुलन के कारण

→ 1. भौगोलिक कारक

→ 2. राजनीतिक जागृति का कम होना

→ 3. मानवीय पूँजी

→ 4. विकास योजनाओं की कम सफलता

→ 5. अन्य कारक

1. भौगोलिक कारक → भारत एक उष्ण व शीतोष्ण कटिबन्धीय देश है। यहां विभिन्न क्षेत्रों में अलग-अलग जलवायु पायी जाती है। अतः कुछ क्षेत्र जैसे छोटा नागपुर का पठार, पंजाब, हरियाणा में खनिज व कृषि क्षेत्र अधिक मात्रा में उपलब्ध हैं। इस कारण इन क्षेत्रों का विकास हो गया।

2. राजनीतिक कारण → भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था होने के कारण हर क्षेत्र में अलग-अलग सरकार है। इस कारण कुछ क्षेत्र जहां की सरकार सचेत थी उस क्षेत्र का विकास हो गया जबकि अन्य पिछड़े ही रह गये।

3. मानवीय पूँजी → किसी देश का क्षेत्र का विकास वहां रह रहे लोगों पर भी निर्भर करता है। अतः जिस क्षेत्र की जनसंख्या शिक्षित व कुशल होती है उस क्षेत्र का अधिक विकास होता है।

14 [ ] + [ ] = [ ]

पृष्ठ के अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

५. विकास योजनाओ की कम सफलता → भारत में पंचवर्षीय योजनाओ के चलते सरकार द्वारा कई योजनाओ का निर्माण किया गया परन्तु ये योजनाएँ कुछ ही क्षेत्र तक पहुँच पायी। अतः विकास योजनाओ की कम सफलता के कारण क्षेत्रीय असंतुलन है।

उपर्युक्त कारको के कारक देश मे क्षेत्रीय असंतुलन व्याप्त है अतः देश के विकास के लिए संतुलित विकास करना आवश्यकता है।

प्र० 17 → उत्तर

उपभोक्ता वह प्रणाली होता है जो वस्तुओ व सेवाओ का उपभोग करता है। औद्योगिकरण के विकास के साथ-साथ कई उपभोक्ता उद्योग प्रारंभ हुये। इन उत्पादो ने उपभोक्ताओ का जीवन आसान बना दिया। अतः इनकी माँग बढ़ी और उद्यमी ने अधिक लाभ कमाने के उद्देश्य से वस्तु की गुणवत्ता गिरा दी। अतः उपभोक्ताओ के स्वास्थ्य पर इसका बुरा असर पड़ा। उपभोक्ता संरक्षण की आवश्यकता निम्नलिखित कारणो से है :-

(1) उपभोक्ताओ के स्वास्थ्य की रक्षा हेतु
(2) ~~उपभो~~ कालाबाजारी ~~व~~ से उपभोक्ताओ को बचाने के लिए।

भारत मे सन् 1986 को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम लागू किया गया।

प्रश्न क्र.

प्रभावी बनाने के उपाय
- → ग्रामीण क्षेत्रो मे प्रसार
- → महिलाओ को ज्ञान देना
- → प्रयोगशालाओ की स्थापना
- → प्रचार माध्यम द्वारा

(1) ग्रामीण क्षेत्रो में प्रसार → उपभोक्ता कानून को ग्रामीण क्षेत्रो तक पहुँचाना चाहिए ताकि ग्रामीण क्षेत्र के लोगो को वह हानिकारक वस्तुओ के उपभोग से बचाया जा सके।

(2) महिलाओ को शिक्षित करना महिलाओ के द्वारा ही गृह के लिए वस्तुओ को खरीदा जाता है अतः महिलाओ की सहभागीदारी को बढ़ाना चाहिए।

(3) प्रयोगशालाओ की स्थापना क्षेत्र में जगह-जगह पर प्रयोग-शालाओ की स्थापना करना चाहिए ताकि उपभोक्ताओ को मिलावटी वस्तुओ के उपभोग से बचाया जा सके।

(4) प्रचार माध्यमों द्वारा → व टी॰वी, रेडियो व अन्य संचार के माध्यम से लोगो को उपभोक्ता कानून के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए।

"जागो ग्राहक जागो"

BSE

प्रश्न क्र.

उत्तर - 18 अथवा

गुटनिरपेक्षता का आशय होता है किसी भी गुट के साथ शामिल न होना विशेषकर पश्चिमी व साम्यवादी गुटो के साथ ~~वा~~ सम्मिलित न होना।

गुटनिरपेक्ष नीति के ~~व~~लक्षण निम्न लिखित है :-

(1) परस्पर सहायता → गुटनिरपेक्ष राष्ट्र परस्पर सहायता की नीति पर विश्वास करते हैं। वो किसी गुट में सम्मिलित होकर शक्ति की राजनीति का हिस्सा नहीं बनना चाहते थे। वे अपने आर्थिक विकास हेतु दोनो गुटो से सहायता लेना चाहते थे।

B
S
E

(2) निःशस्त्रीकरण पर बल → नवोदित राष्ट्रो ने सदा निःशस्त्रीकरण पर बल दिया उनके अनुसार ~~घर~~ इस परमाणु युग में यह आवश्यक है कि सभी देश हथियारो को कम से कम कोषु अपने पास रखे। नवोदित राष्ट्रो ने ही निःशस्त्रीकरण के मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में उठाया था।

(3) संयुक्त राष्ट्र में विश्वास → गुटनिरपेक्ष राष्ट्रो का संयुक्त राष्ट्र पर प्रबल आस्था है। उनके अनुसार UNO ही एक ऐसी संस्था है जो शांति की स्थापना कर सकता है।

(4) सैन्य गठबन्धन का हिस्सा नहीं → गुटनिरपेक्ष राष्ट्रो ने अपने देश के विकास हेतु

प्रश्न क्र.

न तो SEATO का सदस्य बनना चाहा और न ही WARSAW वारसा संधि मे हस्ताक्षर किया।

(5) स्वतंत्र आर्थिक नीति

गुटनिरपेक्ष शब्द का सबसे पहले प्रयोग जार्ज लिस्का ने किया था।

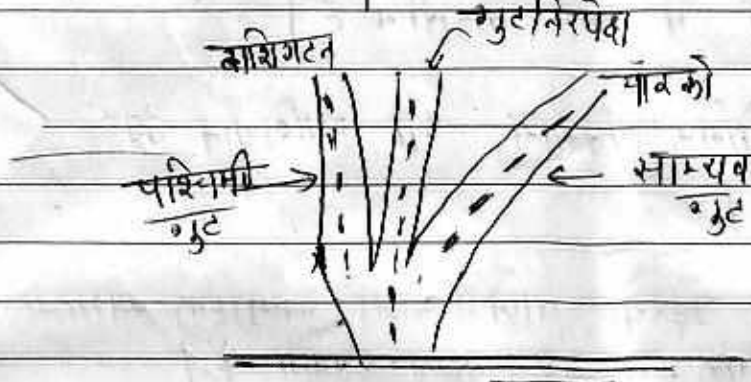

प्र०19 अथवा

ASEAN का पूरा नाम Association of South East Asian Nation है।

अथवा → दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन

ASEAN की स्थापना सन् 1967 में हुई थी। इसके 10 राष्ट्र सदस्य हैं।

1. स्थापना → सन् 1967
2. मुख्यालय → जकार्ता (इण्डोनेशिया)
3. सदस्य संख्या → 10 राष्ट्र

मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र. आशियान के उद्देश्य

(1) आशियान आर्थिक संवृद्धि, सामाजिक प्रगति व सांस्कृतिक विकास में बल देती है।

(2) आशियान आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, तकनीकी, वैज्ञानिक आदि क्षेत्रों में सामान्य हितों के मुद्दों पर सहयोग सक्रिय सहयोग में वृद्धि करती है।

(3) कृषि व औद्योगिक विकास भी आशियान का प्रमुख उद्देश्य है।

(4) आशियान समान उद्देश्यों वाले अन्य सामूहिक संगठनों के साथ निकट सम्पर्क व सम्बन्ध रखता है।

(5) आशियान अपने सदस्य राष्ट्रों के निवासियों के जीवन स्तर को उठाने के लिए अध्ययन कराती है।

(6) क्षेत्रीय शांति व सुरक्षा को सुनिश्चित करती है।

प्र० 20 उत्तर अथवा

भारत व अमेरीका का सम्बन्ध बहुत पुराना है। दोनों देशों ने कई उतार-चढ़ाव देखे। अमेरीका ने कई विषयों पर भारत का समर्थन नहीं किया। परन्तु आज अपने पुराने द्वेष भूलकर दोनों सच्चे मित्र हैं।

भारत ने शीत युद्ध के समय अमेरीका के सैन्य गठबन्धन में हस्ताक्षर नहीं किये थे। इस कारण दोनों

प्रश्न क्र.

देशो के बीच मतभेद हुए। फिर बाद में भारत ने गुटनिरपेक्ष नीति का समर्थन किया। सोवियत संघ के साथ भारत के मैत्रीपूर्ण सम्बन्ध थे। जो अमेरीका को पसंद नही था।
1954 में प. व नेहरू ने अमेरीका की यात्रा की। परन्तु यात्रा सफल नहीं हुई।
सन् 1960 में पं नेहरू ने अमेरीका की यात्रा की व एक महत्त्वपूर्ण संधि पे हस्ताक्षर किया।
PL - 480 समझौता अमेरीका व भारत के बीच सन् 1960 मे हुआ था।
इस संधि की शर्त यह थी कि "अमेरीका भारत को रुपये के भुगतान पर खाद्यान्नो की पूर्ति करेगा।" यह एक महत्त्वपूर्ण संधि थी क्योकि उस समय भारत की स्थिति अच्छी नही थी और उसे खाद्यान्नो की आवश्यकता पड़ती थी। व अमेरिका ने तारापुर परमाणु संयंत्र की स्थापना हेतु भारत की मदद करने के लिए भारत को वित्तीय सहायता प्रदान करी।

शीत युद्ध के समय अमेरीका व भारत के बीच कई मतभेद फिर भी अमेरीका ने 1960 में PL- 480 समझौता भारत के साथ किया

(1) खाद्यान्नो की आपूर्ति करना

(2) रुपये के भुगतान पर आपूर्ति करना

(3) खाद्यान्न मे आत्मनिर्भरता लाने हेतु भारत की मदद करना

(4) भारत को कम निर्यात शुल्क पे वस्तुएँ प्रदान करना व भारत से आयात करना।

MADHYAPRADESHBHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

प्रश्न क्र. प्र॰ 21 उत्तर (अथवा)

आधुनिकीकरण -
परम्परावाद में एक निश्चित दिश में परिवर्तन ही आधुनिकीकरण है। ~~के घटक~~ - आधुनिकीकरण के घटक
(1) ज्ञान
(2) विकल्पों के चयन की स्वतंत्रता

आधुनिकीकरण के चार लक्षण

- (1) विशेषीकरण
- (2) समता
- (3) सार्वभौमिकता
- (4) परिवर्तन की क्षमता

(1) विशेषीकरण ⇒ आधुनिकीकरण के अंतर्गत श्रम विभाजन व विशिष्टीकरण सम्भव हो पाता है।

(2) समता ⇒ यह आधुनिकीकरण की आत्मा है। इसके अनुसार सभी व्यक्ति को अपने विकास हेतु अवसर की समानता ताकि वे अपने व्यक्तित्व का विकास कर सके।

B S E

प्रश्न क्र.

(3) सार्वभौमिकता → आधुनिकीकरण से सार्वभौमिकीकरण सम्भव हुआ है। इसका आशय है विधि का शासन। कानून सबके लिए समान है।

(4) परिवर्तन की क्षमता → आधुनिकीकरण की यह प्रमुख शर्त है। वही देश विकास कर सकता है जो जिसमे परिवर्तन लाने की क्षमता हो।

प्र० २२ उत्तर (अथवा)

स्वतंत्रता के बाद देश में भाषीय आधार पर पुनर्गठन की मांग ने जोर पकड़ ली। देश का कोई भी नेता इस आधार के पक्ष में नहीं था। परन्तु 1953 मे 'पोट्टी' की मृत्यु के बाद देश मे अराजकता फैल गयी और सरकार को मद्रास को काटकर सन् 1953 मे तेलगू भाषी लोगो के लिए आंध्र प्रदेश की स्थापना करनी पड़ी।

• इस घटना के बाद देश के अन्य क्षेत्रों में भी भाषीय आधार पर राज्यो के निर्माण की मांग बढ़ने लगी। अतः सरकार ने सन् 1953 मे न्यायमूर्ति फजल अली की अध्यक्षता मे राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन किया।

आयोग ने अपनी सिफारिश सन् 1955 मे प्रस्तुत की। राज्य पुनर्गठन आयोग की 5 सिफारिशे निम्न लिखित है :-

(1) आयोग द्वारा 'राष्ट्रीय एकता व हित' को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गयी।

(2) आयोग ने भाषीय आधार पर राज्यो के पुनर्गठन की [मांग] को अस्वीकार किया।

प्रश्न क्र.

(3) आयोग द्वारा यह स्वीकार किया गया कि भाषीय एकरूपता प्रशासनिक कर्मठता में सहायक।

(4) आयोग ने स्वतंत्रता के बाद राज्यो का चार पक्षीय वर्गीकरण A, B, C, D (क, ख, ग, घ) को समाप्त करने का सुझाव दिया।

(5) आयोग ने ~~मद्रास~~, ~~आन्ध्र~~ महाप्रदेश, कर्नाटक व केरल के नए राज्यो की स्थापना करने का सुझाव दिया।

(6) आयोग के द्वारा 16 राज्यो व 3 केन्द्रप्रशासित प्रदेशो की स्थापना का सुझाव दिया गया।

उपर्युक्त ~~निम्न~~ लिखित सिफारिशे राज्य पुनर्गठन आयोग के द्वारा की गयी थी जिसमे संशोधन करके सरकार द्वारा 1956 को अपनाया गया

उ० प्र० 23 उत्तर

अनुसूचित जाति व जनजाति आयोग का गठन 65वें संविधान संशोधन के तहत 1990 में किया गया था।
इस आयोग मे एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष व 3 अन्य सदस्य होते हैं। जिनकी नियुक्ति राष्ट्रपति के द्वारा की जाती है।
SCs व STs के विकास हेतु पाँच योजनाएँ नि-लि० है।

B S E

→ (1) प्रतियोगी परिक्षा मे के लिए अध्ययन करवाना
→ (2) SC व ST छात्रो को छात्रवृत्ति देना
→ (3) विदेशो में शिक्षा हेतु छात्रवृत्ति देना
→ (4) महिला व बाल विकास कार्यक्रम
→ (5) NGOs को आर्थिक सहायता देना

(1) प्रतियोगी परिक्षा के लिए शिक्षण व्यवस्था → प्रतियोगी परिक्षा मे ST व SC छात्रो का प्रतिनिधित्व बढ़ाने हेतु सरकार द्वारा उन्हे प्रशिक्षण दिया जाता है ताकि वे प्रतियोगी परीक्षा मे चयनीत हो जाये।

(2) छात्रवृत्ति देना → अविकासित होने के कारण इन जातियो के मे निरक्षता दर अधिक है अत: सरकार द्वारा 10 वी के पहले व 10 वी के बाद इन जातियो के विद्यार्थियो को छात्रवृत्ति दी जाती है। जिससे वे शिक्षित हो सके।

(3) विदेशी शिक्षा हेतु छात्रवृत्ति → जो पाठ्यक्रम भारत मे उपलब्ध नही है। उन पाठ्यक्रम मे अध्ययन करवाने हेतु सरकार द्वारा इन जातियो के प्रतिभासम्पन्न विद्यार्थियो को PG व PHD के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

(5) महिला व बाल विकास कार्यक्रम ⇒ इन जाति की महिलाओं में आशिक्षत व्याप्त होती है। अतः उन्हे गर्भ अवस्था में ज्ञान देने व ऐसी महिलाओं जिनके बच्चे अभी छोटे है उन महिलाओं के लिए सरकार द्वारा महिला व बाल विकास संस्था की स्थापना की गयी है।

(6) गैर-सरकारी संगठनों को अनुदान ⇒ सरकार द्वारा उन गैर-सरकारी संगठनों को अनुदान दिया जाता है जो इन जातियों के विकास हेतु प्रयास कर रही है जैसे - रेडक्रास सोसायटी - नई दिल्ली, रामकृष्ण मठ - नरेन्द्रपुर आदि।

उपर्युक्त योजनाओ द्वारा सरकार इन जातियों का विकास करती है। SC व ST को 23 % आरक्षण प्रदान किया गया।

प्र० 25 उत्तर

भारत एक लोकतांत्रिक देश है। भारत कई दशकों से परतन्त्रता की बेड़ियों में बंधा रहा इस कारण देश पे लोकतंत्र का सफल संचालन में कई बधाए आती हैं उनमे से एक है।-

आर्थिक असमानता - आर्थिक असमानता का आशय देश के विभिन्न लोगो के बीच आय की असमानता। पूंजी का संकेन्द्र कुछ ही लोगो के हाथो में होना आर्थिक असमानता कहलाता है।

ल 4 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम	दिनांक
Pol. Science	1 3 0	हिन्दी	26 03 19

स्टीकर तीर के निशान से मिलाकर लगायें

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESHBHOPAL

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हाई स्कूल सर्टि. परीक्षा

केन्द्र क्र. 77102

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

...nt. S. Ahwal

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

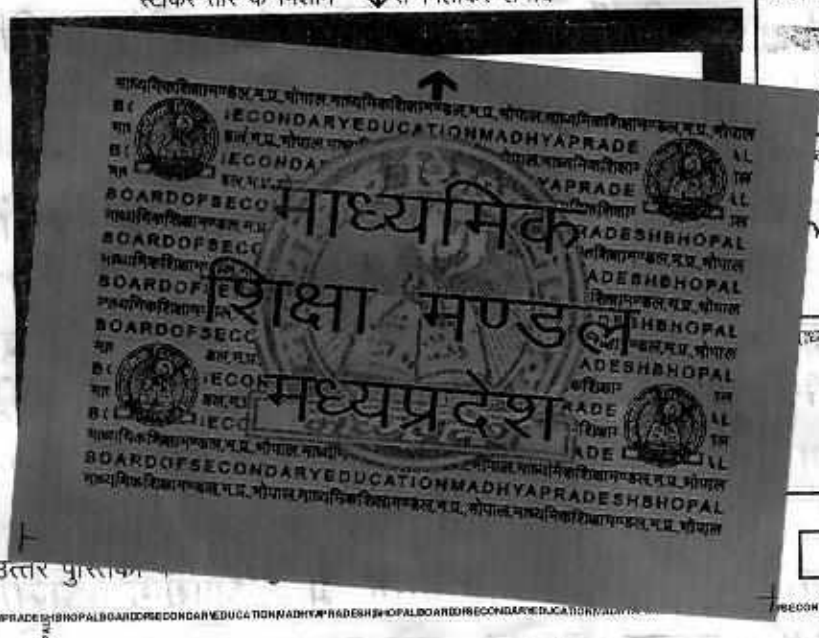

मुख्य उत्तर पुस्तिका

[ ] + [ ] = [ ]

आर्थिक असमानता के कारण निम्न लिखित है :-

(1) जनसंख्या वृद्धि → निर्धन वर्ग के लोगो को छोटे परिवार का महत्व नहीं पता इस कारण के इस वर्ग में जनसंख्या की में तीव्र वृद्धि होती है। इस कारण कमाने वाला एक होता है व खाने वाले अधिक। इससे वो अपना आर्थिक विकास नहीं कर पाता।

(2) अशिक्षा → भारत की अधिकांश जनसंख्या निरक्षर है। इस कारण उन्हें आज के आर्थिक युग में कार्य नहीं मिल पाता और वो बेरोजगार रह जाते है। इस कारण वे अपनी न्यूनतम आवश्यकता की पूर्ति भी नहीं कर पाते है।

(3) निर्धनता → निर्धनता के कारण व्यक्ति अपना विकास नहीं कर पाता है और न ही अपने बच्चो को अच्छी शिक्षा दे पाता है। जिससे बाद में वे भी गरीब

B
S
E

2

प्रश्न क्र.

रह जाते है। इस निर्धनता के चलते देश में आर्थिक असमानता बढ़ते जाती है।

(5) कृषि क्षेत्र की कम उत्पादकता → कृषि क्षेत्र पर हमारे देश की 70% जनसंख्या निर्भर है। परन्तु कृषि में कम उत्पादकता के कारण उन्हे अधिक आय अर्जित नही होती है व उनकी आर्थिक स्थिति गिरते जाती है व देश में आर्थिक असमानता बढ़ते जाती है।

उपर्युक्त कारको के कारण भारत में आर्थिक असमानता बढ़ते जा रही है जिसका जल्द-जल्द को हल सरकार को निकालना चाहिए।

प्र॰ 25 - (अथवा)

"सहकारिता संगठन द्वारा आत्म सहायता को प्रभावी बनाने की विधि है।"

सहकारी दो शब्दो से मिलकर बना है - सह + कारी
अर्थात सह → साथ कारी → कार्य
"साथ मिलकर कार्य करना ही सहकारिता है।"

सहकारी आंदोलन के असफलता के कारण

→ (1) अकुशल प्रबन्ध

→ (2) भ्रष्टाचार

प्रश्न क्र.

→ (3) में सरकार का हस्ताक्षेप

→ (4) अशिक्षा

→ (5) अन्य कारक

(1) अकुशल प्रबन्ध → सहकारिता में कुशल प्रबंध का अधिक महत्त्व है किन्तु भारत में अकुशल प्रबन्ध के चलते सहकारी आंदोलन असफल हो गये।

(2) भ्रष्टाचार → सहकारी आंदोलन के कुछ सदस्य धन को उपयोग अपने लिए कर लेते हैं। उस कारण लोगो को वित्तीय सहायता नहीं मिल पाती है।

(3) सरकार का हस्ताक्षेप → सहकारी आंदोलन को सफल बनाने हेतु यह आवश्यक है कि उसमें सरकार व नौकरशाहो का कम हस्ताक्षेप हो परन्तु सरकार के हस्ताक्षेप के कारण से आंदोलन सफल नहीं हो पाया।

(4) अशिक्षा → अशिक्षा के कारण लोगो को सहकारी आंदोलन का महत्त्व नहीं पता। और वे इससे नही जुड़ते है।

(5) अन्य कारक → पूँजी का अभाव, कम उत्पादकता, सदस्यो के बीच आपसी मतभेद के कारण से आंदोलन सफल नहीं हो पाया है।

4

प्रश्न क्र.

प्र॰ 26 ⇒ उत्तर (अथवा)

भारत एक विकासशील देश है। भारत के द्वारा अपनी विदेश नीति का स्वतंत्रापूर्वक निर्धारण होता है। भारतीय विदेश नीति की विशेषताएँ निम्न लिखित हैं :-

विशेषताएँ
- → ① गुटनिरपेक्षता
- → ② संयुक्त राष्ट्र पर आस्था
- → ③ पंचशील के सिद्धांत
- → ④ साम्राज्यवाद व रंगभेदभाव का विरोध
- → ⑤ पड़ोसी देशों के साथ अच्छे सम्बन्ध

(1) गुटनिरपेक्षता ⇒ देश के आर्थिक विकास के लिए पं. जवाहरलाल नेहरू ने शक्ति की राजनीति का हिस्सा बनना नहीं चाहा। अतः उन्होंने गुटनिरपेक्षता के रास्ते को अपनाया।

(2) संयुक्त राष्ट्र पर आस्था ⇒ भारत की संयुक्त राष्ट्र पर प्रबल आस्था है। भारत UNO को विश्व शांति व सुरक्षा की रक्षा की संस्था मानता है। सन् 1953 में कोरिया संकट के समय भारत ने UNO को सैन्य सहायता दी थी।

For science ....1 : 3 : 0 : T8

स्टीकर तीर के निशान ↓से मिलाकर लगायें

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

माध्यमिक शिक्षा मण्डल मध्यप्रदेश

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH BHOPAL

हाई स्कूल सर्टि. परीक्षा केन्द्र क्र. 771062

Smt. S. Kiwal

मुख्य

(3) पंचशील का सिद्धांत → भारत ने बुद्ध द्वारा प्रतिपादित मनुष्यों के पाँच आचरण के सिद्धांत को दो देशो के संदर्भ में विकसित किया। जिसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा भी अपनाया गया। सन् 1954 में भारत व चीन के मध्य पंचशील के सिद्धांत पर हस्ताक्षर किया गया।

B

S

E

(4) साम्राज्यवाद उपनिवेशवाद का विरोध → भारत कई दशकों तक परतन्त्रता की बेड़ियों में बंधा रहा अतः भारत ने अन्तर्राष्ट्रीय मंच में साम्राज्यवाद व रंगभेदभाव का विरोध किया। व द० अफ्रीका जैसे देशों की सहायता भी की।

(5) पड़ोसी देश के साथ अच्छे सम्बन्ध → भारत ने सदा अपने पड़ोसी देशों के साथ अच्छा व्यवहार रखा। भारत ने 1950 में नेपाल के ~~बाक~~ संविधान के बनाने में मदद की। व 1987 में श्रीलंका में अपनी IPKF को

पृष्ठ के अंकों का योग

②

प्रश्न क्र.

भेजा। भारत ने चीन, पाकिस्तान के साथ भी मैत्री सम्बन्ध बनाया रखा।

उपर्युक्त भारतीय विदेश नीति की विशेषताएँ हैं। भारत ~~क~~ किसी भी गुट में ~~आम~~ सम्मिलित नहीं हुआ ताकि उसका आर्थिक विकास हो सके।

B
S
E